सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 337 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 14 जनवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

जब कोई आपको दिखाता है की वो कौन है, तो पहली बार उस पर भरोसा कर लीजिये।
-माया एंजिलो

मुंबई ने गुजरात पर दर्ज की 7 विकेट... 7 | कुशवाहा की पार्टी में जारी है... 3 | बीजेपी और उनके संगी-साथी... 2

मंदिर की सीढ़ियों से सियासत की चोट

राहुल गांधी बदलेंगे अयोध्या से राजनीति का खेल

» राम का नाम, जनता के सवाल

» अयोध्या से नेता प्रतिपक्ष करेंगे बीजेपी पर तगड़ा हमला

» कांग्रेस नेता की जनता के मुद्दों पर भाजपा को घेरने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया के राहुल गांधी के मंदिर दर्शन के एलान ने देश की पूरी राजनीति को ही मथ दिया है। राहुल गांधी जल्द ही राम लला के दर्शन कर उनका आर्शीवाद लेंगे।

राहुल गांधी ने इससे पहले कई बार कहा था कि मंदिर पूर्ण रूप से तैयार हो जब शिखर ध्वज और नियमित पूजा स्थापित हों जाएगी तब मैं मंदिर में भगवान के दर्शन करने जाउंगा। उनके इस बयान के कई मायने हैं और देश की राजनीति में यह मौका यूटर्न वाला है।

भ्रष्टाचार, महंगाई व बेरोजगारी पर कठोर सवाल भी उठाएंगे राहुल

राहुल गांधी का मंदिर दर्शन सिर्फ अयोध्या तक सीमित नहीं रहेगी। यह कदम आने वाले चुनावों में राष्ट्रीय राजनीति का टर्निंग पॉइंट बन सकता है जहां राहुल गांधी हिन्दू-हिंदुत्व के प्रतीक स्थलों पर सम्मान और श्रद्धा के साथ आस्था प्रकट करेंगे और साथ ही भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी जैसी समस्याओं पर कठोर सवाल भी उठाएंगे। यही मिला कर बनेगा एक नई राजनीति का नया एजेंडा जिसमें आस्था और राष्ट्रवाद संतुलन से जुड़ा रहेगा न कि वैमनस्य से। बिना किसी पाखंड के बिना किसी दिखावे के एक लोकतांत्रिक चेहरे ने रामलला के दर्शन का निर्णय लिया है। और यही फैसला बीते वर्षों की खामोशियों को तोड़ता है और भारत की जनता को बताता है कि राजनीति केवल वोटों के इरादों की नहीं मानव के विश्वास और सांस्कृतिक सम्मान की भी होती है।

राजनीतिक आत्मविश्वास का बुलंद इशारा

यह वहीं राहुल गांधी है जिनपर बीजेपी लंबे समय से हिंदुत्व की राजनीति में संदेह जता रही थी। आज वही अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रद्धा भाव से प्रस्थान करने के लिए तैयार हैं। राहुल गांधी का यह कार्यक्रम राजनीतिक आत्मविश्वास का बुलंद इशारा है कि अयोध्या की राजनीति अब सिर्फ एक पंथ विशेष का मोर्चा नहीं रह गई है बल्कि यह भारत के सबसे बड़े लोकतांत्रिक शक्ति संघर्ष का प्रतीक बन चुकी है।

बीजेपी पर दबाव बढ़ेगा

बीजेपी वाले कहते थे कि राहुल गांधी को हिंदू धर्म या राम मंदिर से कोई लगाव नहीं। वह सिर्फ विदेशी दौरों और विदेशी भाषणों के चक्कर में रहते हैं। लेकिन आज यही राहुल गांधी राम मंदिर की पावन भूमि की ओर कदम बढ़ा रहे हैं यह सिर्फ उनकी व्यक्तिगत भक्ति की बात नहीं यह सियासी पराक्रम का प्रतीक है कि देश की राजनीति में अब कुछ भी ध्रुवीकरण, नफरत, सांप्रदायिक विभाजन या तुष्टिकरण नहीं चलने वाला।

यूपी में मजबूत होना चाहती कांग्रेस

कांग्रेस किसी भी कीमत पर यूपी में मजबूत होना चाहती है। एक बार फिर यूपी की जिम्मेदारी प्रियंका गांधी के कंधों पर है। और उनके नाम का एलान होने के साथ ही राहुल गांधी के मंदिर दर्शन की खबर समाने आयी है। इस खबर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि कांग्रेस अब मंदिर के साथ वाली राजनीति करने जा रही है। क्योंकि प्रियंका गांधी ने संसद के शीतकालीन सत्र में बीजेपी के कई बड़े नेताओं के साथ मुलाकात की थी और फोटो खिचवाए थे। ऐसे में क्या यह कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक चाल बदल दी है।

शिखर ध्वज और नियमित पूजा स्थापित होने पर मंदिर आने की बात कही थी

बीते दिनों जब राम मंदिर पूजा आरती के कार्यक्र म पूरे हुए थे तब राहुल गांधी ने खुद कहा था कि मंदिर पूर्ण रूप से तैयार हो जब शिखर ध्वज और नियमित पूजा स्थापित हों तभी मैं राज्य और देश के लोगों के लिए दर्शन करूंगा। अब यही दिन आया है। मंदिर का ध्वज लहरा चुका है। पूजा अर्चना रोज होती है और यही सही मौका है कि देश के विपक्ष का सबसे बड़ा चेहरा वहां श्रद्धा से झुककर भारतवासियों के दिलों को एक बार फिर जोड़े।

बीजेपी तिलमिलाई नेताओं के बिगड़े बोल

बीजेपी ने राहुल गांधी के इस कदम पर तीखे बयान दिए हैं। उसके नेता कह रहे हैं कि राहुल गांधी का यह दौरा केवल फोटो-शाप और प्रचार के लिए है और उनका कथित लगाव राम मंदिर से दिखावा है। बीजेपी के सभी बड़े नेताओं का यही कहना है कि राहुल गांधी अब आखिरकार दर्शन और राजनीतिक लाभ के लिए वहां जा रहे हैं। उनका कहना है कि जब प्रधानमंत्री और पार्टी के बड़े नेता पहले ही राम मंदिर उद्घाटन में शामिल हो चुके हैं तो राहुल गांधी का अब आना देरी से प्रेरित राजनीति है न कि सच्ची आस्था।

बीजेपी और उनके संगी-साथी स्वदेशी करते-करते परदेसी हो गये : अखिलेश

चीन में सत्तारूढ़ के नेताओं के संघ ऑफिस पहुंचने पर सपा प्रमुख ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा और संघ पर जोरदार हमला बोला है। उनहोंने चीन में सत्तारूढ़ दल चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के नेताओं के राष्ट्रीय स्वयंसेकव संघ के ऑफिस पहुंचने पर तीखी प्रतिक्रि या दी है।

सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि बीजेपी और उनके संगी-साथी स्वदेशी करते-करते परदेसी हो गये क्या? कहाँ तो चीन से आयात का विरोध कर रहे थे, यहाँ तो साक्षात स्वागत कर रहे हैं। लगता है बीजेपी के वैचारिक उस्ताद पड़ोसी देश से एक दलीय व्यवस्था का मास्टर क्लास ले रहे हैं। मिलनेवालों को मालूम है क्या कि वो भारत आकर जिससे मिल रहे हैं, उनका काग़ज़ों पर कोई अता-पता नहीं है, वो अनरजिस्टर्ड लोग हैं। उनका कहीं कोई पंजीयन नहीं है।

बीजेपी अपने समर्थकों की आँख में धूल झोंक रही है

सपा चीफ ने लिखा कि आज बात मुलाक़ात तक पहुंच गयी, इसका मतलब तैयारी कई सालों से चल रही थी, फिर ये बहिष्कार का ड्रामा क्या बीजेपी अपने समर्थकों की आँख में धूल झोंकने के लिए कर रहे थे? बीजेपी के उन बेचारे समर्थकों के चेहरे आज कोई जाकर देखे जो चीनी सामान के बहिष्कार के लिए दरवाज़े खटखटाते घूम रहे थे. बेचारे आज बहुत ठगा सा महसूस कर रहे हैं और आपस में व्हाट्सएप मैसेज करके कह रहे हैं, सुना तो था कि भाजापा किसी की सगी नहीं है पर हमको ही धोखा दे दिया, ये अच्छा नहीं किया।

एसआईआर के नाम पर एनआरसी लागू कर रही है भाजपा

अखिलेश यादव ने एसआईआर को सीधे तौर पर एनआरसी करार दिया और कहा कि चुनाव आयोग से वह काम कराया जा रहा है जो गृह मंत्रालय का था। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा चार करोड़ वोट कटने की स्वीकारोक्ति को मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का सबूत बताया। सपा अध्यक्ष ने केंद्रीय और राज्य निर्वाचन आयोग के आंकड़ों में भारी अंतर पर भी सवाल उठाए। केंद्रीय निर्वाचन आयोग के अनुसार प्रदेश में 12 करोड़ 56 लाख मतदाता हैं, जबकि राज्य की सूची में अकेले ग्रामीण क्षेत्रों में 12 करोड़ 69 लाख मतदाता दर्ज हैं। शहरी मतदाताओं को जोड़ने पर यह संख्या 17 करोड़ से अधिक हो जाती है। उन्होंने पूछा कि जब बीएलओ और अधिकारी वही हैं तो आंकड़ों में इतना अंतर कैसे हो सकता है।

पार्टी सभी बूथ प्रभारियों को एफआईआर का प्रारूप भेज रही

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की आड़ में धांधली करने और फर्जी वोटर बनाने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपवित्र करने का प्रयास है, जिसे सपा सफल नहीं होने देगी। अखिलेश ने चेतावनी दी कि यदि भाजपा से जुड़े लोग वोट बनाने की प्रक्रिया में हेराफेरी करते पकड़े गए तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। इसके लिए पार्टी सभी बूथ प्रभारियों को एफआईआर का प्रारूप भेज रही है ताकि हर स्तर पर निगरानी रखी जा सके।

ओबीसी आरक्षण से खिलवाड़ कर रही भजन सरकार: अशोक गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भर्ती परीक्षाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के साथ खिलवाड़ का आरोप लगाते हुए इसे बेहद चिंताजनक करार दिया है।

गहलोत ने यह मुद्दा उठाते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में ओबीसी आरक्षण के साथ हो रहा निरंतर खिलवाड़ बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा, ''एलडीसी (कनिष्ठ लिपिक) भर्ती में 21 प्रतिशत के बजाय मात्र 15 प्रतिशत आरक्षण देना युवाओं के संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है। चतुर्थ श्रेणी, वनपाल और द्वितीय श्रेणी की भर्तियों में भी इसी तरह नियमों की अनदेखी कर आरक्षित वर्गों के साथ सुनियोजित अन्याय किया गया है।' गहलोत ने कहा, ''रोस्टर की आड़ में युवाओं के हक छीनना भाजपा सरकार बंद करे। मुख्यमंत्री तत्काल दखल देकर आरक्षण से जुड़ी इन विसंगतियों को दूर करें और युवाओं को न्याय दिलाएं।

घूंघट या बुर्का पहनी महिला भी बन सकती है पीएम : स्वामी प्रसाद मौर्य

» बोले पूर्व मंत्री- लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी के हैं समान अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी का समर्थ किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था है और लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति सांसद, विधायक या प्रधानमंत्री बन सकता है, चाहे वह घूंघट या बुर्का पहने।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि इस देश में पहले ही महिला प्रधानमंत्री और महिला राष्ट्रपति बन चुकी हैं। साथ ही तीन-चार मुस्लिम राष्ट्रपति भी रह चुके हैं। अगर कोई बुर्के वाली महिला प्रधानमंत्री बनती है, तो इसमें कोई बड़ी बात नहीं है. यह कोई असाधारण बात नहीं है। मौर्य ने यह बयानअसदुद्दीन ओवैसी के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया में दिया. मौर्य ने कहा कि लोकतंत्र में सभी नागरिकों को समान अवसर मिलना चाहिए और धर्म, पहचान

या परिधान के आधार पर किसी को कमतर नहीं आंका जाना चाहिए। स्वामी प्रसाद मौर्य ने जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में दलितों, आदिवासियों और अन्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों पर हो रहे अत्याचारों पर चिंता जताई। उन्होंने मेरठ की घटनाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि एक दलित बेटी की हत्या कर दी गई, उसकी मां न्याय मांगने गई तो उसे भी मार डाला गया और उसी जिले में सोनू नाम के एक लड़के को जला कर मार दिया गया। स्वामी प्रसाद मौर्य का यह बयान दो संदेश देता है. एक ओर वह दलित और हाशिए पर रहने वाले लोगों पर हो रहे अत्याचारों पर ध्यान दिला रहे हैं. वहीं दूसरी ओर लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी के समान अधिकारों और अवसरों पर जोर दे रहे हैं।

कानून से ऊपर कोई नहीं : जियाउर्रहमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के दौरान एक युवक की गोली से मौत मामले में सीजेएम कोर्ट ने उस समय सीओ रहे अनुज चौधरी समेत 12 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं. जिस पर संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क की प्रतिक्रिया आई हैं।

उन्होंने कहा कि क़ानून से ऊपर से कोई नहीं है न वर्दी और न ही किसी का ओहदा। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर कोर्ट के फैसले के बाद पोस्ट की और लिखा- कानून से ऊपर कोई नहीं — न वर्दी, न ओहदा, संभल हिंसा के दौरान एक युवक को गोली मारने के मामले में तत्कालीन सीओ समेत 12 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने का सीजेएम कोर्ट का आदेश एक ऐतिहासिक फैसला है। यह आदेश साफ़ संदेश देता है अफसर हो या आम नागरिक, कानून तोड़ने वाला बच नहीं सकता। सपा सांसद ने इस पोस्ट के ज़रिए कोर्ट के आदेश का समर्थन किया हैं।

महीनों बाद तेज प्रताप से मिले लालू, दही-चूरा भोज में पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास, 10 सर्कुलर रोड पर एक भावुक और मार्मिक क्षण देखने को मिला, जब तेज प्रताप यादव ने अपने माता-पिता और छोटे भाई से मुलाकात की। इससे पारिवारिक संबंधों में आई नरमी का संकेत मिला। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव और उनके माता-पिता लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी को मकर संक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी को आयोजित दही-चूरा भोज में औपचारिक रूप से आमंत्रित करना था।

तेज प्रताप यादव ने स्वयं अपने छोटे भाई को निमंत्रण पत्र सौंपा, जिसे व्यापक रूप से भाईचारे, सुलह और पारिवारिक एकता का संदेश देने के प्रयास के रूप में देखा गया। तेज प्रताप ने एक्स पर लिखा कि आज अपने पिताजी लालू प्रसाद यादव जी, माता जी राबड़ी देवी जी से 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास पहुंचकर मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया और अपने छोटे भाई और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी से भी भेंट मुलाकात

एक अद्भुत अनुभव : तेज प्रताप

तेज प्रताप ने बाद में इस पल को एक अद्भुत अनुभव बताया। बच्ची के साथ उनकी मुस्कुराती हुई तस्वीरें तुरंत वायरल हो गईं, जो इस बात का प्रमाण हैं कि राजनीतिक मतभेदों और अलग-अलग रहने की व्यवस्था के बावजूद पारिवारिक बंधन अभी भी अटूट हैं। राजनीतिक विश्लेषक परिवार से लंबे समय तक दूर रहने के बाद तेज प्रताप की इस यात्रा को एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखते हैं। कई महीनों से दोनों भाइयों के बीच शीत युद्ध की अटकलें राजनीतिक चर्चा का केंद्र बनी हुई थीं।

कर कल 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाले ऐतिहासिक दही -चूड़ा भोज कार्यक्रम हेतु निमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया। साथ ही आज अपनी प्यारी भतीजी कात्यायनी को गोद में खिलाने का अद्भुत पल भी प्राप्त हुआ।

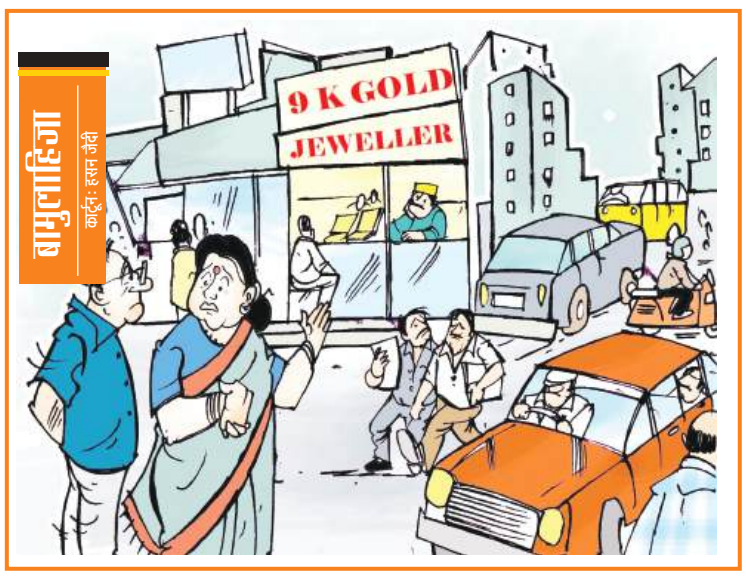

कतकी मेला बंद, नगर निगम को लाखों की चपत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ की पहचान माने जाने वाले दशकों पुराने कतकी मेले को आखिरकार नगर निगम और पुलिस के संयुक्त अभियान में तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया। मेले के आयोजन का टेंडर 45 दिनों की अवधि के लिए था, जिसकी मियाद 7 जनवरी को समाप्त हो चुकी थी। इसके बावजूद संबंधित फर्म द्वारा मेले का संचालन लगातार जारी रखा गया।

टेंडर अवधि समाप्त होने के बाद नियमों के तहत 5 दिन का अतिरिक्त समय स्थान खाली करने के लिए दिया गया था, लेकिन तय समय गुजरने के बाद भी मेला चलता रहा। मेले में करीब एक हजार वेंडरों द्वारा दुकानें लगाई गई थीं। आज ज़ोनल

अधिकारी आकाश कुमार मौके पर पहुंचे और नगर निगम व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मेले को बंद कराया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि संबंधित फर्म ने इस दौरान नगर निगम को करीब 36 लाख रुपये की चपत लगाई है। इस मामले में नगर आयुक्त द्वारा सख्त कार्रवाई किए जाने की बात भी कही जा रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि टेंडर खत्म होने के बाद भी मेला किसकी मिलीभगत से चलता रहा? क्या अधिकारियों की आंखें जानबूझकर बंद थीं, या फिर सिस्टम को ही ठेंगा दिखाया जा रहा था?

गौरतलब है कि कल पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने इस पूरे मामले को लेकर बयान जारी करते हुए अधिकारियों के साथ-साथ भाजपा पार्टी पर भी सवाल खड़े किए थे। इसके बाद ही प्रशासन में हलचल तेज हुई और आज कार्रवाई नजर आई। यह भी सवाल उठ रहा है कि अगर मीडिया और जनप्रतिनिधियों का दबाव न बनता, तो क्या कतकी मेला यूं ही नियमों को ताक पर रखकर चलता रहता?

कुशवाहा की पार्टी में जारी है घमासान!

मंत्री बेटे के सीतामढ़ी दौरे से पार्टी विधायक ने बनाई दूरी

» राष्ट्रीय लोक मोर्चा में ऑल इज वेल नहीं

» कुशवाहा को बेटे को मंत्री बनाते ही विधायकों में उबाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नई सरकार को बने दो महीने से ऊपर हो गये हैं। पर वहां सियासी उतारचढ़ाव जारी है। ये रसाकसी सत्ता व विपक्ष दोनों ओर जारी है। फिलहाल तो एनडीए के सहयोगी उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी का घमासान अभी भी जारी है। उनके के बेटे और बिहार सरकार के मंत्री दीपक प्रकाश के सीतामढ़ी दौरे ने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के हालात बयां कर दिए। पार्टी में सबकुछ ठीक नहीं है।

भले की दीपक प्रकाश या उनके पिता उपेंद्र कुशवाहा कुछ भी कहें, लेकिन विधायकों का रुख कुछ और ही कहानी बयां कर रहा है। चुनाव में रालोमो के छह में चार विधानसभा क्षेत्रों से प्रत्याशी जीते थे। ये चार विधायक पूर्व सांसद उपेंद्र कुशवाहा के लिए मुश्किल पैदा किए हुए हैं। इसकी बानगी तो पहले ही सामने आ ही चुकी है। अब विधायकों ने कुशवाहा परिवार से भी दूरी बनानी शुरू कर दी है। इसका ताजा उदाहरण सीतामढ़ी जिले में देखने को मिला। सूबे के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश जब सीतामढ़ी दौरे पर आए थे तो जिले से पार्टी के इकलौते विधायक उनके साथ नहीं दिखे।

बाजपट्टी से निर्वाचित हैं रामेश्वर कुशवाहा

सीतामढ़ी में आठ विधान सभा क्षेत्र है, जिसमें एक बाजपट्टी से उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी के विधायक रामेश्वर कुमार कुशवाहा है। यानी उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के सीतामढ़ी जिले से रामेश्वर कुशवाहा इकलौते विधायक है। ये पहले जदयू से विधान पार्षद थे। जैसे ही इनका कार्यकाल पूरा हुआ, जदयू से दूरी बनती गई और उन्हें लग गया कि जदयू में यह उनकी पहली और आखिरी पारी थी, तो वे विधानसभा चुनाव में टिकट की जुगाड़ में लग गए थे। जदयू से टिकट मिलना नहीं था, तो उपेंद्र कुशवाहा से संपर्क साधा और चाहे जैसे हो कुशवाहा से टिकट हासिल कर लिया और संयोग रहा कि बाजपट्टी विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित भी हो गए।

उपेंद्र कुशवाहा के फैसले से नाराजगी

नीतीश मंत्रिपरिषद के गठन के दौरान उपेंद्र कुशवाहा को मंत्री का एक पद हिस्सा मिला। पार्टी से चार में से चारों विधायकों को आशा थी कि वे मंत्री बन सकते है और अंदर ही अंदर खुश थे। यह कयास भी लगाया जा रहा था कि चारों में से एक मंत्री बनेंगे ही। चारों विधायकों, जनता के साथ ही राजनीतिक के पंडितों को हैरानी तब हुई, जब कुशवाहा ने तमाम कयासों को पीछा

छोड़ अपने पुत्र को मंत्री बना दिया। गौरतलब है कि उपेंद्र कुशवाहा के पुत्र सह मंत्री दीपक प्रकाश किसी भी सदन (विधान सभा/विधान परिषद) के सदस्य नहीं है। उनके मंत्री बनते ही उनके विधायकों की बेचैनी बढ़ गई। बीच-बीच में मोर्चा के विधायकों के दूसरे दलों में जाने की भी चर्चाएं होने लगी थी, जो फिलहाल कुछ दिनों से बंद है।

विधायक का नहीं दिखना कुछ अलग संकेत

दरअसल उपेंद्र कुशवाहा के बेटे और बिहार सरकार के मंत्री दीपक प्रकाश दो दिन के दौरे पर सीतामढ़ी आए थे। दीपक प्रकाश शनिवार और रविवार को सीतामढ़ी में ही रुके। इस दौरान पंचायती राज विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। रविवार को दीपक प्रकाश ने मीडिया से बातचीत भी की। जिले के कई प्रखंडों का दौरा भी किया। पुपरी प्रखंड में सीएम नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल पंचायत सरकार भवन के निर्माण कार्य का जायजा भी लिया और फिर दूसरे जिले के लिए रवाना हो गया। मंत्री दीपक प्रकाश जिले में 24 घंटे से अधिक तक सीतामढ़ी जिले में रहे, पर उनके विधायक रामेश्वर कुशवाहा उनके साथ कहीं भी नहीं दिखे।

मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा सब कुछ ठीक

पार्टी विधायकों में टूट पड़ने की संभावना की चल रही खबरों पर सीतामढ़ी के पत्रकारों के सवाल पर मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि पार्टी में ऑल इज वेल है। मंत्री ने यह कहते हुए इस सवाल का पूरा जवाब नहीं दिया कि पार्टी नेतृत्व से ही पार्टी से जुड़ा सवाल पूछना उचित होगा। पार्टी के

चार विधायकों में से सीतामढ़ी के विधायक रामेश्वर कुशवाहा का सोशल मीडिया एक्स पर 11 दिसंबर और 12 दिसंबर को किया गया पोस्ट चर्चा में रहा था। पोस्ट के जरिए संकेत में ही कुशवाहा ने काफी कुछ कह दिया था। उनका पोस्ट था राजनीति में सफलता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि सच्ची नीयत और दृढ़ नीति से मिलती है। जब नेतृत्व की नीयत धुंधली हो जाए और नीतियां जनहित से अधिक स्वार्थ की दिशा में मुड़ने लगें, तब जनता को ज्यादा दिनों तक भ्रमित नहीं रखा जा सकता। आज का नागरिक जागरूक है- वह हर कदम, हर निर्णय और हर इरादे को बारीकी से परखता है।

निकाय चुनाव से पहले महाराष्ट्र में सियासी वार-पलटवार तेज

महायुति व महाविकास अघाड़ि में जुबानी जंग

» भाजपा राष्ट्र की बजाय भ्रष्टाचार को पहले रखती है : उद्धव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। निकाय चुनाव से पहले महाराष्ट्र में सियासी वार पलटवार तेज हो गई। महायुति व महाविकास अघाड़ि के बीज जुबानी जंग तेज हो गई है। राजठाकरे, सुप्रिया सुले, संजय राउत से लेकर सीएम देवेन्द्र फडणवीस तक एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हं। चुनावी प्रचारों में तेजी आ गई है। चुनाव से पहले भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए उद्धव ने कहा, भाजपा का हिंदुत्व और राष्ट्रवाद नकली है।

उन्होंने कहा, भाजपा एक ऐसी पार्टी बन गई है जो राष्ट्र को पहले रखने की बजाय भ्रष्टाचार को पहले रखती है। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई एवं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने नगर निकाय चुनावों के लिए एक संयुक्त रैली में भाजपा के फर्जी हिंदुत्व की आलोचना करते हुए कहा कि मुंबई पर मंडरा रहे खतरे के कारण वे राजनीतिक रूप से एकजुट हुए हैं। 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव से पहले मुंबई की इस अंतिम संयुक्त रैली में उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्होंने और राज ठाकरे ने मराठी मानुष, हिंदुओं और महाराष्ट्र के लिए अपने मतभेदों को भुला दिया है। उन्होंने और राज ठाकरे ने खुद को मुंबई को बचाने के लिए एकमात्र विकल्प के रूप में पेश किया।

ठाणे में समस्याएं आज भी बरकरार

राकांपा (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने राज्य में सत्तारूढ़ महायुति सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भले ही ठाणे को एक सभ्य शहर के रूप में पेश किया जा रहा हो, लेकिन पानी की किल्लत, कूड़ाघरों की कमी और अन्य समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं। नगर निकाय चुनावों से पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उबाठा) के उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सुले ने ठाणे के विकास के लिए बड़े पैमाने पर धनराशि मंजूर किए जाने के सरकारी दावों पर सवाल उठाए। सुले ने कहा कि ठाणे कभी एक छोटा शहर था, लेकिन राज्य और देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग यहां बेहतर जीवन और विकास की उम्मीद लेकर आए, मगर आज उनकी उम्मीदें निराशा में बदल गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ठाणे को सभ्य शहर बताया जाता है, लेकिन पानी, कूड़ाघरों की कमी, तथा शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं अब भी हल नहीं हो पाई हैं।

आज भी 10 मिनट में मुंबई बंद करा सकते है : संजय राउत

संजय राउत ने दावा किया कि शिवसेना का सबसे बड़ा राजनीतिक सामर्थ्य आज भी यही है कि वह 10 मिनट में मुंबई बंद करा सकती है। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार-जीत चलती रहती है, लेकिन उनकी संगठनात्मक ताकत कायम है। राउत ने यह भी कहा कि अगर ठाकरे परिवार जिंदा है तो मराठी अस्मिता और मुंबई भी सुरक्षित है। उनके अनुसार यह बात देवेंद्र फडणवीस और भाजपा नेता विनोद तावड़े भी जानते हैं।

गीदड़ भभकी से नहीं डरते : फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 11 जनवरी को इस बयान को खोखली धमकी बताते हुए कड़ा पलटवार किया और कहा कि बीजेपी ऐसे बयानों से डरने वाली नहीं है। फडणवीस ने तंज कसते हुए कहा कि राउत अपने घर के आसपास का इलाका भी बंद नहीं करा सकते।

भाजपा पर मुंबई को लूटने और इसे गुजरात से जोड़ने का प्रयास कर रही : राज ठाकरे

मराठी वोट बैंक को साधते हुए राज ठाकरे ने कहा कि दोनों भाई इसलिए साथ आए हैं क्योंकि मुंबई एक गंभीर खतरे का सामना कर रही है। दोनों नेताओं ने भाजपा पर मुंबई को लूटने और इसे गुजरात से जोड़ने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि मुंबई और महाराष्ट्र की संपत्तियां गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह को सौंपी जा रही हैं। राज ने आरोप लगाया कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से भारतीय जनता पार्टी सरकार लगातार अदाणी का पक्ष ले रही है। उन्होंने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन जैसी परियोजनाओं का हवाला देते हुए कहा, दीर्घकालिक योजना मुंबई को गुजरात से जोड़ने की है। यदि बीएमसी हमारे पास रही, तो वे अदाणी को जमीन नहीं बेच पाएंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

दिल के दौर, असमय मृत्यु चिंता की बात

इंडियन आयडल-3 के विनर प्रशांत तमांग उससे पहले वेदान्ता ग्रुप के चेयरमैन के पुत्र का अचानक दिल के दौरे से मौत हो गई। सबसे विडंबना की बात है कि इन दोनों की उम्र 50 वर्ष से कम थी। इसके अतिरिक्त कुछ बच्चों व किशोरों की मौतों ने भी हेल्थ सिस्टम को झकझोरा है। भारत ही नहीं पूरी दुनिया में इस समय हार्टअटैक से मौत की खबरें आना आम बात हो गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में हृदय रोगों के कारण विश्वभर में लगभग 1.8 करोड़ लोगों की मृत्यु हुई। यह आंकड़ा किसी भी अन्य बीमारी से कहीं अधिक है। अकेले भारत में प्रतिवर्ष लगभग 28 प्रतिशत मौतें हृदय रोगों से होती हैं। आधुनिक युग को यदि सुविधाओं और संसाधनों का युग कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी, लेकिन इन सुविधाओं और विलासिताओं की कीमत भी समाज को चुकानी पड़ रही है। मशीनों और तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, परंतु इसके साथ ही ऐसी अनेक जीवनशैली-जनित बीमारियों को जन्म दिया है जो पहले दुर्लभ थीं। इन बीमारियों में सबसे बड़ी और भयावह बीमारी है-दिल का रोग।

दिल की बीमारियां आज विश्व में असमय मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बन चुकी हैं और भारत भी इससे अछूता नहीं है। हाल ही में जारी कॉजेज ऑफ डेथ इन इंडिया 2021-23 की रिपोर्ट इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट करती है। पहले जहां माना जाता था कि हृदय रोग और दिल के दौरे बुजुर्गों की बीमारी है, वहीं अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में हृदयाघात से होने वाली मौतें तेजी से बढ़ रही हैं। यानी युवाओं में दिल का दौरा अब असामान्य नहीं, बल्कि आम होता जा रहा है। यह न केवल चिकित्सा जगत के लिए चिंता का विषय है बल्कि समाज और परिवार के लिए भी गहरी चिंता का कारण है। अकेले भारत में प्रतिवर्ष लगभग 28 प्रतिशत मौतें हृदय रोगों से होती हैं। इसका अर्थ यह है कि हर चौथा भारतीय हृदयाघात या उससे जुड़ी बीमारी का शिकार होकर अकाल मृत्यु का सामना कर रहा है। शहरी क्षेत्रों में यह दर और भी अधिक है क्योंकि वहां तनाव, प्रदूषण, अस्वस्थ भोजन और व्यायाम की कमी का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कहीं ज्यादा है। विशेष चिंता की बात यह है कि भारत में 40 प्रतिशत से अधिक दिल के दौरे 40 वर्ष से कम आयु में आ रहे हैं। यह आंकड़ा अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों से कहीं अधिक है, जहां यह दर 10 से 15 प्रतिशत के बीच है। इस तथ्य से स्पष्ट है कि भारतीय युवा पीढ़ी का हृदय पहले से कहीं अधिक असुरक्षित एवं खतरे में है।

“ विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में हृदय रोगों के कारण विश्वभर में लगभग 1.8 करोड़ लोगों की मृत्यु हुई। यह आंकड़ा किसी भी अन्य बीमारी से कहीं अधिक है। अकेले भारत में प्रतिवर्ष लगभग 28 प्रतिशत मौतें हृदय रोगों से होती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कोशिकाओं से चिप पर बन रहे हैं मानव अंग

मुकुल व्यास

मनुष्य के रोगों को बेहतर ढंग से समझने और उनका प्रभावी उपचार खोजने के लिए वैज्ञानिक निरंतर नए तरीके विकसित कर रहे हैं। कुछ वैज्ञानिक इंसानी कोशिकाओं से चिप पर शरीर के अंग उगा रहे हैं जबकि कुछ रिसर्चर अंगों के डिजिटल संस्करण बनाने की चेष्टा कर रहे हैं। इंग्लैंड के फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट और स्विस कंपनी, एल्वियोलिक्स के शोधकर्ताओं ने सिर्फ एक व्यक्ति से ली गई स्टेम कोशिकाओं का इस्तेमाल करके चिप पर मानव फेफड़े का पहला मॉडल (लंग-ऑन-चिप) विकसित किया है। ये चिप एक व्यक्ति में सांस लेने की गति और फेफड़ों की बीमारी को उत्पन्न करते हैं, जिससे टीबी जैसे संक्रमण के इलाज का परीक्षण करने और व्यक्ति विशेष दवा देने की उम्मीद जगी है। दरअसल, फेफड़ों में एल्वियोली नामक हवा की थैली गैस के आदान-प्रदान के लिए आवश्यक जगह होती है और साथ ही यह थैली सांस से अंदर जाने वाले वायरस और बैक्टीरिया के खिलाफ अवरोधक का भी काम करती है।

ये रोगाणु फ्लू या टीबी जैसी सांस की बीमारियां पैदा करते हैं। शोधकर्ता चिप पर फेफड़े बनाकर प्रयोगशाला में मानव कोशिकाओं और बैक्टीरिया के बीच होने वाले द्वंद्व को पुनर्निर्मित कर रहे हैं। प्लास्टिक की इस चिप पर मानव फेफड़ों की छोटी इकाइयां हैं जिनमें छोटी-छोटी नलियां और कम्पार्टमेंट होते हैं। इस मामले में, उनका मकसद हवा की थैलियों को फिर से बनाना था ताकि यह समझा जा सके कि वे संक्रमण पर कैसे प्रतिक्रिया करती हैं। अभी तक ये लंग ऑन-चिप डिवाइस मरीज से ली गई कोशिकाओं और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध कोशिकाओं के मिश्रण से बनाए जाते थे। इस तरह के चिप किसी एक व्यक्ति के फेफड़ों के काम या बीमारी की प्रगति को पूरी तरह से दोहरा नहीं सकते थे। इस अध्ययन में क्रिक की टीम ने चिप पर फेफड़े का एक नया मॉडल विकसित किया है, जिसमें सिर्फ एक डोनर की स्टेम कोशिकाओं से ली गई आनुवंशिक रूप से एक जैसी कोशिकाएं होती हैं।

प्रयोगशाला द्वारा पहले विकसित की गई एक विधि के आधार पर शोधकर्ताओं ने प्लोरिपोटेंट (बहुक्षमता) स्टेम कोशिकाओं से 'एल्वियोलर एपिथेलियल' कोशिकाएं और 'वैस्कुलर एंडोथेलियल' कोशिकाएं बनाईं। ये ऐसी कोशिकाएं हैं जो शरीर में किसी भी कोशिका में

विकसित हो सकती हैं। इन एपिथेलियल और एंडोथेलियल कोशिकाओं को एक बहुत पतली झिल्ली के ऊपर और नीचे अलग-अलग उगाया जाता है ताकि हवा की थैली के अवरोध को पुनर्निर्मित किया जा सके। इसके बाद, वैज्ञानिकों ने चिप में मैक्रोफेज नामक इम्यून कोशिकाएं डालीं, जिन्हें उसी डोनर की स्टेम कोशिकाओं से बनाया गया था। चिप में बीमारी के शुरुआती चरण निर्मित करने के लिए उन्होंने टीबी के बैक्टीरिया डाले। टीबी से संक्रमित चिप में टीम ने बड़े मैक्रोफेज समूह देखे। संक्रमण के पांच दिन बाद, एंडोथेलियल और एपिथेलियल कोशिकाओं के अवरोध टूट गए, जिससे पता चला कि हवा की थैली का फंक्शन खराब हो गया था। इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक मैक्स गुटिरेज ने कहा कि आज ऐसी तकनीकों की मांग बढ़ रही है जिनमें जानवरों के अंगों का प्रयोग नहीं होता। ऑर्गन-ऑन-चिप जैसे तरीके प्रयोगशाला में इंसानी सिस्टम को फिर से बनाने के लिए जरूरी होते जा रहे हैं क्योंकि जानवरों और इंसानों के बीच फेफड़ों की संरचना, इम्यून कोशिकाओं की बनावट और बीमारी के विकास में अंतर होता है। नई चिप से हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि टीबी जैसे संक्रमण किसी व्यक्ति पर कैसे असर डालेंगे। साथ ही यह टेस्ट भी किया जा सकेगा कि एंटीबायोटिक्स जैसे उपचार कितने प्रभावी हैं। वैज्ञानिकों के अन्य दल ने चूहे के मस्तिष्क के कॉर्टेक्स का डिजिटल संस्करण बनाया है। हमारा मस्तिष्क ऊपर से अखरोट की गिरी जैसा दिखता है। इसकी उभरी हुई सिलवटों वाली सतह को सेरिब्रल कॉर्टेक्स कहा जाता है। ज्ञान और स्मृति जैसे अनेक उच्च स्तरीय संज्ञानात्मक कार्य मस्तिष्क के कॉर्टेक्स से जुड़े हुए हैं। दुनिया के वैज्ञानिक कॉर्टेक्स की गहन जांच करके मस्तिष्क की कार्य प्रणाली का अध्ययन करना चाहते हैं।

अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं के एक दल ने जापान के शक्तिशाली फुगाकू सुपरकम्प्यूटर का उपयोग करके चूहे के मस्तिष्क के कॉर्टेक्स का एक डिजिटल मॉडल बनाया है, जो अब तक बनाया गया सबसे बड़ा और सबसे वास्तविक मॉडल है। डिजिटल मस्तिष्क एक वास्तविक मस्तिष्क की तरह व्यवहार करता है, जिससे वैज्ञानिक रोग की प्रगति, तंत्रिका गतिशीलता और संभावित उपचारों का अध्ययन कर सकते हैं।

बच्चों को जीवंत दुनिया से जोड़ने की दिशा में पहल

डॉ. जगदीप सिंह

उत्तर प्रदेश और राजस्थान में विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में समाचारपत्र पढ़ना अनिवार्य करने का निर्णय शिक्षा जगत में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में उभरा है। दिसंबर, 2025 में उत्तर प्रदेश के सभी सरकारी और माध्यमिक स्कूलों में प्रार्थना सभा के बाद कम से कम 10 मिनट समाचार पत्र वाचन अनिवार्य कर दिया गया। इसके एक सप्ताह बाद, जनवरी 2026 की शुरुआत में राजस्थान में भी ऐसा ही आदेश जारी किया गया। जिसमें सभी सरकारी स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान 10 मिनट का विशेष सत्र समाचार पत्र पढ़ने के लिए तय किया गया है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में नियमित पढ़ने की आदत विकसित करना, उनकी शब्दावली समृद्ध करना, सामान्य ज्ञान बढ़ाना और समसामयिक घटनाओं के प्रति जागरूकता पैदा करना है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब डिजिटल युग में मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और स्क्रीन-आधारित सामग्री ने बच्चों का अधिकांश समय छीन लिया है।

गहराई से पढ़ने की क्षमता व ध्यान केंद्रित करने की अवधि घट रही है और भाषा कौशल में कमी आ रही है। ऐसे में समाचार पत्र जैसी मुद्रित सामग्री को अनिवार्य बनाना बच्चों को स्क्रीन से दूर कर वास्तविक जानकारी के संपर्क में लाने का प्रयास है। उत्तर प्रदेश में इस आदेश के अनुसार, स्कूलों की लाइब्रेरी में हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं के समाचार पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे तथा प्रार्थना के बाद विद्यार्थी बारी-बारी राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, खेल समाचार और संपादकीय पढ़कर सुनाएंगे। राजस्थान में भी यही व्यवस्था अपनाई गई, जहां उच्च माध्यमिक व अंग्रेजी मीडियम स्कूलों में न्यूनतम एक हिंदी व एक अंग्रेजी अखबार तथा उच्च प्राथमिक स्कूलों में दो हिंदी अखबार जरूरी हैं। इनकी सदस्यता का खर्च राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा वहन किया जाएगा। इस पहल के सबसे प्रमुख प्रभावों में से एक है भाषा कौशल और शब्दावली में सुधार। समाचार पत्रों में इस्तेमाल होने वाली भाषा औपचारिक, विविध और समृद्ध होती है।

बच्चे रोजाना नए शब्दों, मुहावरों और वाक्य संरचनाओं से परिचित होते हैं। राजस्थान के आदेश में कहा गया है कि प्रतिदिन 5 नए शब्दों का चयन कर उन्हें समझाया जाएगा, जिससे छात्रों का शब्द भंडार लगातार बढ़ेगा। यह न केवल हिंदी या अंग्रेजी की परीक्षाओं में मदद करेगा, बल्कि बोलचाल, लेखन और संवाद कौशल भी मजबूत करेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, मुद्रित सामग्री पढ़ने से आंखों की गति, समझने की क्षमता और ध्यान केंद्रित करने की अवधि में सुधार आता है, जो डिजिटल स्क्रीन पर संभव नहीं होता। दूसरा अहम प्रभाव सामान्य ज्ञान और समसामयिक जागरूकता में वृद्धि है। आजकल प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, एसएससी, बैंकिंग, राज्य लोक सेवा आयोग और यहां तक कि बोर्ड परीक्षाओं में भी करेंट अफेयर्स का बड़ा हिस्सा होता है। समाचारपत्र नियमित पढ़ने से बच्चे देश-विदेश की घटनाओं, नीतियों, आर्थिक बदलावों, पर्यावरण मुद्दों और वैज्ञानिक प्रगति से जुड़ते हैं।

इससे उनका दृष्टिकोण व्यापक होता है और वे समाज के प्रति जिम्मेदार बनते हैं। मसलन जब कोई छात्र रोजाना संपादकीय पढ़ता है, तो उसकी विभिन्न मुद्दों पर तर्कपूर्ण सोच विकसित होती है, जो आलोचनात्मक चिंतन की नींव है। तीसरा, यह कदम पढ़ने की संस्कृति को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा। ग्रामीण क्षेत्र और छोटे शहरों के सरकारी स्कूलों में अक्सर बच्चों के घर समाचार पत्र नहीं पहुंचते। कई परिवारों में आर्थिक तंगी या पढ़ने की परंपरा न होने के कारण बच्चे किताबों और अखबारों से दूर रहते हैं। स्कूलों में इसे अनिवार्य करने से हर बच्चे को समान अवसर मिलेगा। शिक्षाविदों का कहना है कि यदि यह आदत बचपन से ही बन जाए, तो वयस्क होने पर भी व्यक्ति समाचार पत्र या किताबें पढ़ना जारी रखता है, जो लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा, यह पहल स्क्रीन टाइम को कम करने में भी सहायक होगी। विशेषज्ञों के अनुसार, अधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों में ध्यान की कमी, नींद संबंधी समस्याएं, शारीरिक निष्क्रियता और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। समाचार पत्र पढ़ना एक शांत, गहन और एकाग्रता वाली गतिविधि है, जो डिजिटल डिटॉक्स का एक छोटा लेकिन प्रभावी रूप है। हालांकि, दोनों राज्यों में इस निर्णय के समक्ष कुछ चुनौतियां भी हैं। पहली चुनौती है कार्यान्वयन।

ग्रामीण क्षेत्रों में समाचार पत्रों की समय पर डिलीवरी, शिक्षकों की कमी या उनकी ट्रेनिंग का अभाव, तथा स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का कम होना कार्य को कठिन बना सकता है। दूसरी बात, कुछ विद्यार्थी शुरू में इसे बोझ समझ सकते हैं, खासकर यदि वे हिंदी या अंग्रेजी में कमजोर हैं। तीसरा, समाचार पत्रों का कंटेंट हमेशा बच्चों के लिए उपयुक्त नहीं होता। राजनीतिक खबरें, आपराधिक घटनाएं या संवेदनशील मुद्दे बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसलिए शिक्षकों को ये खबरें फिल्टर करने और सकारात्मक ढंग से प्रस्तुत करने की जरूरत होगी। चुनौतियों के बावजूद, यदि इस योजना को सही ढंग से लागू किया जाए तो इसका दूरगामी प्रभाव बहुत सकारात्मक होगा। भविष्य में अन्य राज्य भी इस मॉडल को अपनाएं तो एक राष्ट्रीय स्तर पर पढ़ने की संस्कृति मजबूत हो सकती है। यह बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें जीवंत दुनिया से जोड़ता है। यदि बच्चे रोजाना 10 मिनट भी समाचार पत्र पढ़ें, तो वर्षों में यह आदत उनके व्यक्तित्व, कैरियर और जीवन दृष्टिकोण को पूरी तरह बदल सकती है।

सर्दियों में इन रोमांटिक जगहों पर जाएं घूमने

सर्दियों का मौसम हमेशा दिल को थोड़ा ज्यादा नर्म कर देता है। धुंध से लिपटी पहाड़ियां, गरम चाय की भाप और दूर तक फैला सन्नाटा, ये सब मिलकर रिश्तों में वही खोया हुआ तापमान लौटा देते हैं। अगर आप सर्दियों में अपने पार्टनर के साथ दिल्ली के पास किसी रोमांटिक गेटवे की तलाश में हैं तो मसूरी से कसौली तक की ये सर्दियों की बेस्ट जगहें आपके दिल में सीधे उतर जाएगी। यहां आपको न सिर्फ ताजी हवा और शानदार व्यूज मिलेंगे, बल्कि वो शांति भी मिलेगी जो सिर्फ पहाड़ों में मिलती है। खास बात ये हैं कि ये रोमांटिक और सर्दियों में घूमने योग्य जगहें दिल्ली से बेहद करीब हैं। आप पांच से आठ घंट की ड्राइव करके आसानी से पहुंच सकते हैं। इन जगहों पर कपल फ्रेंडली होटल और कैफे मिल जाएंगे जहां आप प्राइवेसी और क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं। सर्दियों में यहां का मौसम जादुई सा हो जाता है।

धनोल्टी

भीड़ से दूर दो दिलों के लिए परफेक्ट कोना है ये जगह। मसूरी से कुछ ही घंटों की दूरी पर धनौल्टी है। अगर आप कम भीड़ और ज्यादा शांति चाहते हैं तो धनोल्टी सबसे रोमांटिक विकल्प है। यहां की बर्फीली हवा और सफेद आसमान वाला मौसम किसी फिल्म जैसा लगता है। यहां आप सुरकंडा देवी ट्रेक, इको पार्क, जंगल कैंपिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। धनौल्टी का खर्च भी मसूरी जितना बजट फ्रेंडली ही है।

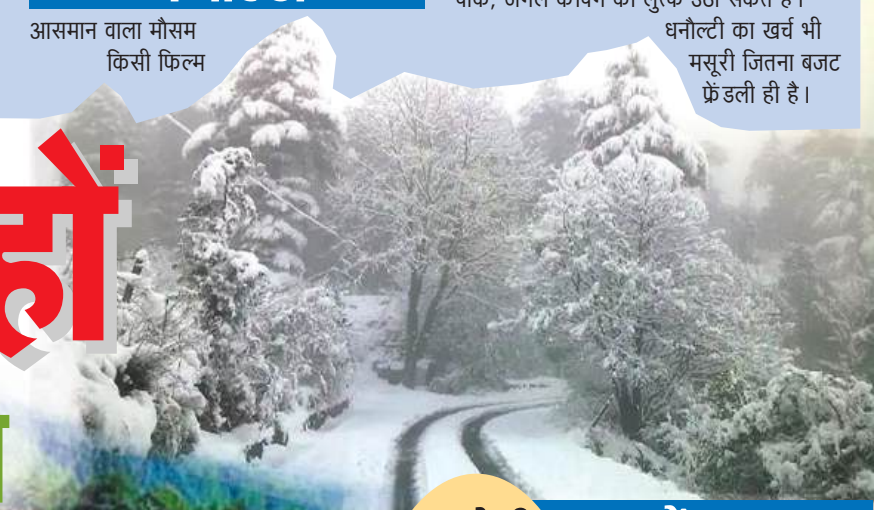

कसौली

कसौली के छोटे पहाड़ बड़ा सुकून देते हैं। कसौली का सर्दियों वाला मौसम कपल्स के लिए परफेक्ट है। धुंध में ढकी पगडंडियां, शांत गलियां और ब्रिटिश-एरा आर्किटेक्चर इसे टाइमलेस रोमांटिक डेस्टिनेशन बनाते हैं। यहां कपल सनसेट पॉइंट, मंकी पॉइंट और हेरिटेज मार्केट जा सकते हैं।

लैंसडाउन

लैंसडाउन को देखकर कह सकते हैं कि यहां पहाड़ फुसफुसाते हैं और प्यार खिलता है। लैंसडाउन अभी भी पर्यटकों की भीड़ से अनछुआ है। कम भीड़, शांत मौसम और घने जंगल इसे कपल्स के लिए एक ड्रीमी प्लेस बना देते हैं। यहां के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में टिफिन टॉप, झूला देवी मंदिर और जंगल हॉक्स है।

मसूरी

क्वीन ऑफ हिल्स यानी मसूरी हर सीजन में खूबसूरत है, लेकिन सर्दियां इसे और भी जादुई बना देती हैं। बर्फ की हल्की परत, मॉल रोड की शामें और केम्प्टी फॉल का शांत पानी इसे कपल्स का सबसे फेवरेट गेटवे बनाते हैं। यहां कैफे हॉपिंग, केम्प्टी फॉल, गन हिल पॉइंट, कैमेल बैक रोड वॉक, दलाई हिल्स और टैंपल घूमने जाएं। दिल्ली से मसूरी की यात्रा काफी बजट में है। ट्रेन से देहरादून या ऋषिकेश पहुंचें। वहां से बस द्वारा डेढ़ से दो घंटे में मसूरी पहुंच सकते हैं। 200 रुपये का ट्रेन टिकट और 100 रुपये का बस टिकट मिलाकर आप बहुत कम बजट में यात्रा कर सकते हैं।

चैल

हिमाचल की शांत वादियां और कपल्स का पसंदीदा हाइडआउट चैल है। यह शिमला से भी ज्यादा शांत और उतना ही खूबसूरत है। ल उन लोगों के लिए है जो रिलेशनशिप में क्वालिटी टाइम को प्राथमिकता देते हैं। यहां आप किंग्स पैलेस, चैल सैंकुचरी और लोंग वॉक के लिए जा सकते हैं और पार्टनर के संग प्यार भरा वक्त बिता सकते हैं।

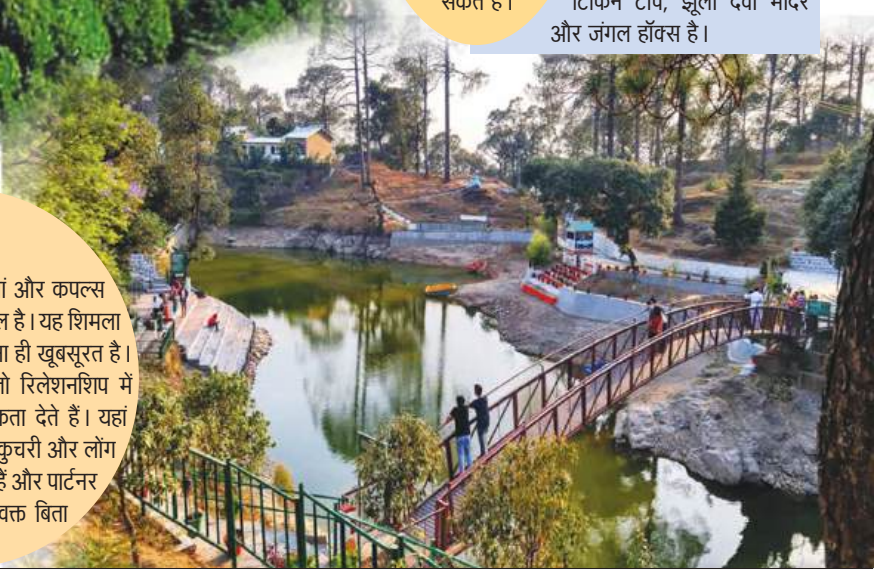

हंसना मना है

मेवालाल ने चार लोगों को कार से दबा दिया, जज मेवालाल से-तुमने तो शराब पी नहीं थी तो फिर ऐसा क्यों किया? मेवालाल-जज साहब मेरे एयरटेल वालों ने कहा था कि इस गाने के लिए चार दबायें।

एक महिला मॉल से बिस्कुट चुराते हुए पकड़ी गई। जज ने कहा : तुमने जो बिस्कुट का पैकेट चुराया, उस में 10 बिस्कुट थे। इसलिए तुम्हे 10 दिन की जेल की सजा दी जाती है। तभी पति पीछे से चिल्लाया: जज साहब, इसने साबूदाने का पैकेट भी चुराया है।

मरीज को डॉक्टर आखिरकार समझा पाया कि ये ऑपरेशन कितना जरूरी है लेकिन .. जैसे ही उसने 8 लाख का खर्चा बताया मरीज ने फिर मना कर दिया। डॉक्टर बोला — तुम पहले 2 लाख जमा कर दो , बाकी 22 हजार हर महीने किस्तों में दे देना। मरीज बोला— ये तो ऐसे हो गया, जैसे मैं कोई कार ले रहा हूं। डॉक्टर बोला—कह तो सही रहे हो.. लेकिन कार तुम नहीं मैं ले रहा हूं।

1 मुर्गी ने बत्तख से शादी कर ली, मुर्गा: हम मर गये थे क्या? मुर्गी: मैं तो तुमसे ही शादी करना चाहती थी पर मॉम-डैड चाहते थे लड़का नेवी में हो।

कहानी — धूर्त बिल्ली का न्याय

एक जंगल में एक बहुत बड़े पेड़ के तने में एक खोल था। उस खोल में कपिंजल नाम का एक तीतर रहा करता था। हर रोज वह खाना ढूंढने खेतों में जाया करता था और शाम तक लौट आता था। एक दिन खाना ढूंढते-ढूंढते कपिंजल अपने दोस्तों के साथ दूर किसी खेत में निकल गया और शाम को नहीं लौटा। जब कई दिनों तक तीतर वापस नहीं आया, तो एक खरगोश ने खोल को अपना घर बना लिया और वहीं रहने लगा। लगभग दो से तीन हफ्तों बाद तीतर वापस आया। खा-खाकर वह बहुत मोटा हो गया था और लंबे सफर के कारण बहुत थक भी गया था। लौट कर उसने देखा कि उसके घर में खरगोश रह रहा है। यह देख कर उसे बहुत गुस्सा आ गया और उसने झल्लाकर खरगोश से कहा, ये मेरा घर है। निकलो यहां से। इस पर खरगोश को भी गुस्सा आ गया और उसने कहा, कैसा घर? कौन सा घर? जंगल का नियम है कि जो जहां रह रहा है, वही उसका घर है। तुम यहां रहते थे, लेकिन अब यहां मैं रहता हूं और इसलिए यह मेरा घर है। इस तरह दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। फिर तीतर ने कहा कि इस बात का फैसला हम किसी तीसरे को करने देते हैं। उन दोनों की इस लड़ाई को दूर से एक बिल्ली देख रही थी। उसने सोचा कि अगर फैसले के लिए ये दोनों मेरे पास आ जाएं, तो मुझे इन्हें खाने का एक अच्छा अवसर मिल जाएगा। यह सोच कर वह पेड़ के नीचे ध्यान मुद्रा में बैठ गई और जोर-जोर से ज्ञान की बातें करने लगी। उसकी बातों को सुनकर तीतर और खरगोश ने बोला कि यह कोई ज्ञानी लगती है और हमें फैसले के लिए इसके ही पास जाना चाहिए। उन दोनों ने दूर से बिल्ली से कहा, बिल्ली मौसी, तुम समझदार लगती हो। हमारी मदद करो और जो भी दोषी होगा, उसे तुम खा लेना। उनकी बात सुनकर बिल्ली ने कहा, अब मैंने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है, लेकिन मैं तुम्हारी मदद जरूर करूंगी। समस्या यह है कि मैं अब बूढ़ी हो गई हूं और इतने दूर से मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। क्या तुम दोनों मेरे पास आ सकते हो? उन दोनों ने बिल्ली की बात पर भरोसा कर लिया और उसके पास चले गए। जैसे ही वो उसके पास गए, बिल्ली ने तुरंत पंजा मारा और एक ही झपट्टे में दोनों को मार डाला।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ — पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। काम में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

मिथुन — दुःखद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

कर्क — भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी।

सिंह — घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या — यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

तुला — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

वृश्चिक — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

धनु — नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

मकर — किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कुम्भ — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे।

मीन — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

जब जख्म भरने लगेंगे तब देखूंगी फिल्म इक्कीस : हेमा मालिनी

दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र इस दुनिया को छोड़कर जा चुके हैं। उनका 24 नवंबर 2025 को निधन हो गया था। एक्टर की आखिरी फिल्म इक्कीस हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म देखकर उनका परिवार बहुत इमोशनल हुआ है। मगर हेमा मालिनी ने अभी तक धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म नहीं देखी है। उन्होंने फिल्म न देखने के पीछे की वजह भी बताई है। धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म इक्कीस 1 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बड़े पर्दे पर आखिरी बार धर्मेंद्र को देखकर फैंस बहुत इमोशनल हुए हैं। धर्मेंद्र के दोनों बेटों सनी और बॉबी देओल ने फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग भी रखी थी। जिसमें हेमा मालिनी और उनकी बेटियां शामिल नहीं हुई थीं। स्क्रीन को दिए इंटरव्यू में हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र के बारे में बात की। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने इक्कीस देख ली तो उन्होंने कहा- जब ये रिलीज हुई तब मैं मथुरा काम से आई थी। मुझे यहां अपना काम करना था। साथ ही, मैं इसे अभी नहीं देख सकती हूं। ये बहुत ज्यादा इमोशनल होगा। मेरी बेटियां भी यही कह रही हैं। शायद मैं इसे बाद में देखूंगी जब जख्म भरने लगेंगे। इक्कीस की बात करें तो इसे श्रीराम राघवन ने डायरेक्ट किया है। इक्कीस सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की बायोपिक है, जो परमवीर चक्र पाने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति थे। इस फिल्म में अगस्त्य नंदा ने अरुण का किरदार निभाया है, साथ में सिमर भाटिया, जयदीप अहलावत और धर्मेंद्र भी हैं। फिल्म में धर्मेंद्र ने अगस्त्य के पिता का रोल निभाया है। उन्होंने अपनी इस आखिरी फिल्म से सभी को इमोशनल कर दिया है। जो भी ये फिल्म देख रहा है वो धर्मेंद्र की तारीफ जरुर कर रहा है। फैंस अब इसके ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

सुनील शेट्टी लेकर आ रहे 'भारत के सुपर फाउंडर्स', 16 से होगी शुरुआत

बॉलीवुड | चर्चा

सुनील शेट्टी ओटीटी पर वापसी करने वाले हैं, वो भी एक अलग अंदाज में। सुनील शेट्टी एक नया रियलिटी शो ला रहे हैं, जिसका नाम है 'भारत के सुपर फाउंडर्स'। वो इस शो में बतौर होस्ट नजर आएंगे। शो का ट्रेलर सामने आ गया है। 'भारत के सुपर फाउंडर्स' में उद्योग जगत के दिग्गजों का एक प्रतिष्ठित पैनल भारत के उन नए उद्यमियों का समर्थन करने के लिए एक साथ आया है। ये काफी हद तक 'शार्कटैंक' जैसा है। शो की थीम बिजनेस पर आधारित है, जिसमें नए बिजनेसमैन या इंट्राप्रेन्योर अपने आइडियाज और स्टार्टअप्स पैनल में मौजूद दिग्गज उद्यमियों से साझा करेंगे। इसके बाद अगर पैनल संतुष्ट होता है या पैनल का कोई एक सदस्य संतुष्ट होता है, तो उनके स्टार्टअप में इन्वेस्टमेंट करेगा। ट्रेलर में 100 करोड़ रुपये के इन्वेस्टमेंट पूल को प्रमुखता से दिखाया गया है, जो किसी भारतीय इंट्राप्रेन्योरियल रियलिटी सीरीज का अब तक का सबसे बड़ा अमाउंट है। इस निवेश को बिजनेस इंडस्ट्री के दिग्गजों के एक पैनल और रिकर क्लब का समर्थन प्राप्त है। शो का फोकस भारत भर के उन इंट्राप्रेन्योर्स पर है, जिनमें छोटे शहर और उभरते बाजार शामिल हैं। जो वास्तविक जरूरतों और मजबूत इरादों पर आधारित व्यवसाय स्थापित कर रहे हैं।

सुनील शेट्टी शो में होस्ट और मेंटर के रूप में नजर आएंगे। इसको लेकर उनका कहना है कि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सफलता निरंतरता से मिलती है, शॉर्टकट से नहीं। भारत के सुपर फाउंडर्स का यही मूलमंत्र है। यह मेहनत करने, असफल होने, सीखने और फिर से उठने के बारे में है। संस्थापकों को ऐसे मंच पर मार्गदर्शन देना जहां असल विचारों को गंभीरता से लिया जाता है और उन्हें असल में पूंजी का समर्थन मिलता है, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

भारत के सुपर फाउंडर्स 16 जनवरी से शुरू हो रहा है। शो अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम करेगा, जहां इसे बिल्कुल फ्री में देखा जा सकता है। शो का नया एपिसोड हर शुक्रवार-शनिवार दोपहर 12 बजे से स्ट्रीम करेगा।

फुटबॉल स्टार अशरफ हकीमी को डेट कर रही हैं नोरा फतेही

नोरा फतेही अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। चर्चा है कि नोरा फतेही को उनके सपनों का राजकुमार मिल गया है। एक्ट्रेस मोरक्कन फुटबॉलर को डेट कर रही हैं। आखिर वो फुटबॉलर कौन है? आइए जानते हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही इंटरनेट पर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, इस पूरे मामले पर अब तक नोरा और हकीमी दोनों की चुप्पी बनी हुई है, लेकिन अटकलें बढ़ती ही जा रही हैं।

दरअसल ये सारा मामला तब चर्चा में आया जब हाल ही में नोरा फतेही मोरक्को के दौरे पर थीं। उन्होंने वहां अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (अष्टहह) का एक मैच स्टेडियम में बैठकर देखा।

जैसे ही उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मोरक्को टीम की जीत का जश्न मनाते हुए पोस्ट डालीं, इसके बाद से ही फैंस के बीच अटकलें बढ़ने लगीं।

इसके बाद चर्चाएं तब तेज हो गईं जब रेडिट यूजर्स ने दावा किया कि अशरफ हकीमी ने नोरा की उस पोस्ट को लाइक किया था। इसी से बातचीत एक नए मोड़ पर पहुंच गई।

फिलहाल अब तक नोरा और हकीमी ने इन सवालों पर कोई बयान नहीं दिया है।

इसके बाद चर्चाएं तब तेज हो गईं जब रेडिट यूजर्स ने दावा किया कि अशरफ हकीमी ने नोरा की उस पोस्ट को लाइक किया था। इसी से बातचीत एक नए मोड़ पर पहुंच गई। फिलहाल अब तक नोरा और हकीमी ने इन सवालों पर कोई बयान नहीं दिया है।

27 साल के अशरफ हकीमी दुनिया के टॉप राइट-बैक्स में गिने जाते हैं और फ्रांस की क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (क्रस्त्र) के लिए खेलते हैं। मैड्रिड में जन्मे हकीमी इंटरनेशनल लेवल पर मोरक्को के लिए खेलते हैं और टीम की कप्तानी भी करते हैं। बता दें, अशरफ हकीमी की पहले स्पेनिश एक्ट्रेस हिबा अबूक से शादी हो चुकी है। उनका रिश्ता 2020 से 2023 तक चला। उनके दो बच्चे आमीन और नईम हैं। साल 2023 में इस कपल का तलाक हो गया।

अजब-गजब | भारत के इस पड़ोसी देश में लोग यात्रा भी करते हैं अजीबो-गरीब

इस देश में ट्रेन के अंदर नहीं, बल्कि ऊपर बैठकर यात्रा करना शान समझते हैं यात्री, मौत को देते हैं टक्कर!

बांग्लादेश भारत का पड़ोसी देश है। कई मायनों में देखा जाए तो इस देश में रहने वाले भारत के लोगों की ही तरह अपना पूरा दिन सिर्फ कमाने में ही बिता देते हैं। देश में इस समय राजनीतिक अस्थिरता की वजह से लोग भी परेशान हैं। इस देश में नियम-कानून को ताक पर रखकर लोग अपनी ही जिंदगी रिस्क में डाल देते हैं। कभी सड़कों पर ट्रैफिक रूल्स की धज्जियां उड़ती नजर आती है तो कभी लोग रेलवे के नियमों को ठेंगा दिखाते हैं। भारत में जहां लोग ट्रेन के अंदर धक्कामुक्की करते नजर आते हैं वहीं बांग्लादेश में लोग ट्रेन के अंदर बैठने की जगह उसके ऊपर बैठना पसंद करते हैं।

एक ट्रेवल ब्लॉगर ने अपने इंस्टाग्राम पर बांग्लादेश ट्रिप के दौरान किये गए एक ऐसे रोमांच का वीडियो शेयर किया, जो बेहद खतरनाक था। इस ब्लॉगर ने बांग्लादेश ट्रिप के दौरान वहां सात घंटे का सफर ट्रेन के ऊपर बैठकर पूरा किया। इस दौरान उसने जो अनुभव किया वो रूह को कंपाने वाला था। ट्रेन के ऊपर बैठना ना सिर्फ खतरनाक है बल्कि कई बार जानलेवा भी साबित होता है। इसके बावजूद लोग ट्रेन के डिब्बों के ऊपर ही बैठना पसंद करते हैं। खुद को आयरिश और पर्शियन बताने वाले इस ट्रेवल ब्लॉगर के लाखों फॉलोवर्स हैं। वो दुनिया के कई देशों में घूमता है और

वहां के हालात अपने फॉलोवर्स के साथ शेयर करता है। बांग्लादेश ट्रिप के दौरान शख्स ने लोकल लोगों के साथ घुलने-मिलने के लिए वो सब किया, जो वहां के लोकल्स करते हैं। ढाका से चिट्टागोंग जाने के लिए उसने ट्रेन का सफर चुना। जब ब्लॉगर स्टेशन पहुंचा तो उसने देखा कि लोकल्स ट्रेन के अंदर जाने की जगह ऊपर बैठना पसंद करते हैं वो भी बिना टिकट के। सात घंटे तक वो भी ट्रेन की छत पर बैठा रहा। इस दौरान उसने जो अनुभव किया, वो रौंगटे खड़े करने वाला था।

ट्रेन के ऊपर बैठकर ट्रेवल करना कितना रिस्की होता है, इसकी कई झलक शख्स ने दिखाई। कई बार उसका सिर लोहे के टावर्स से टकराते-टकराते बचा। इसके अलावा पेड़ों की डाल और हवा के प्रेशर से भी खतरा होता है। हालांकि, वहां के लोग इस तरह से ट्रेवल करने के आदि हैं। कई लोग तो ट्रेन के डिब्बे के ऊपर खाना और कोल्ड्रिंक भी बेचते नजर आए। इस वीडियो ने ना सिर्फ लोगों का ध्यान खींचा बल्कि कई लोगों ने कमेंट में लिखा कि ऐसा करना खतरनाक है। उसे इसे बढ़ावा नहीं देना चाहिए था। अभी तक वीडियो को लाखों व्यूज मिल चुके हैं।

प्रेमियों की जन्नत है ये जगह, प्रेमी जोड़ों को पनाह देते हैं यहां के ग्रामीण

भारत भले ही आज तरक्की की राह पर है। शहर विकसित हो रहे हैं। कॉलोनीज बन रही है। लोग शहरी चकाचौंध में डूब रहे हैं। लेकिन आज भी ये देश अपने ग्रामीण परिवेश की वजह से जाना जाता है। आप चाहे शहर में कई साल बिता लें, गांव का एक हफ्ते का अनुभव आपको वापस से मिट्टी से जो? देगा। भारत में ऐसे कई गांव हैं जो आपके शहरों से भी ज्यादा मशहूर है। ऐसा ही एक गांव है हिमाचल की गोद में बसा मलाना गांव। ये गांव अपनी यूनिक बातों के लिए मशहूर है। आप जैसे ही मलाना गांव में एंटर करेंगे आपको अहसास होगा कि आप इन सबसे अलग हैं। यहां के लोग बाहरी लोगों से डायरेक्ट संपर्क अवॉयड करते हैं। यानी इस गांव में आने के बाद आप किसी को छू नहीं सकते। यहां तक कि अगर आपने यहां खरीददारी की है तो आपको पेमेंट करने के लिए पैसे एक किनारे पर रखने होंगे। सामने वाला उसे उठाएगा और आपको चेंज वापस नीचे रखकर देगा, जहां से आप उसे कलेक्ट कर सकते हैं। लेकिन ये आदान-प्रदान डायरेक्ट नहीं होगा। अब एक ट्रेवल ब्लॉगर ने इस गांव की एक और खास बात लोगों के साथ शेयर की है। भारत अब एडवांस होता जा रहा है। लेकिन इसके बाद भी कई तरह की कुरीतियां आज भी यहां मौजूद है। अब लव मैरिज आम होने लगा है लेकिन इसके बाद भी भारत में ऐसे कई एरियाज हैं, जहां घर से भागने वाले जो?ं को मौत के घाट उतार दिया जाता है। इज्जत के नाम पर प्रेमियों का मर्डर कर दिया जाता है। मलाना गांव के लोगों का कहना है कि वो घर से भागे प्रेमी जो?ं को पनाह देते हैं। यहां ये जो? सुरक्षित रहते हैं। वो इनके बारे में किसी को भी नहीं बताते। ऐसे में कई जो? हैं जो घर वालों के डर से भागकर यही चले आते हैं। जब उन्हें सुरक्षित महसूस होता है, तब ही वो इस गांव को छो? कर जाते हैं। अभी तक मलाना गांव को उसके ना छूने की पॉलिसी के कारण जाना जाता था। इसकी वजह से कई लोग इस गांव की बुराई करते थे। लोग इसे आज के समय में छुआछूत की प्रैक्टिस जैसा बताते थे। लेकिन इस रील के वायरल होने के बाद लोग अब इस गांव और यहां के लोगों की तारीफ कर रहे हैं। कई लोगों ने कमेंट किया कि अगर उन्हें भी भागना प?ा तो वो इसी गांव में जाकर शरण लेंगे।

गरीबों व बेरोजगारों को हाशिए पर रखना चाहती है भाजपा

» सोनिया ने कहा- विपक्ष से सलाह लिए बिना कानूनों में मनमाने बदलाव किए गए

» कांग्रेस ने एमएनआरईजीए बचाओ अभियान के तहत जारी किया वीडियो संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी ने मोदी सरकार के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमएनआरईजीए) को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने का आरोप लगाया और योजना में हाल ही में किए गए बदलावों को गरीबों, बेरोजगारों और हाशिए पर रहने वाले लोगों पर सीधा हमला बताया। कांग्रेस पार्टी के एमएनआरईजीए बचाओ अभियान के तहत जारी एक वीडियो संदेश में, गांधी ने याद दिलाया कि रोजगार गारंटी का यह ऐतिहासिक कानून 20 साल पहले पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया था।

यह वीडियो कांग्रेस पार्टी के 45 दिवसीय राष्ट्रव्यापी एमएनआरईगा बचाओ अभियान की शुरुआत का प्रतीक है, जो 10 जनवरी से 25 फरवरी तक चलेगा। इस अभियान में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन, विधानसभा घेराव, पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान और काम की मांग आंदोलन शामिल होंगे। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार एमएनआरईगा को एक नए ग्रामीण रोजगार ढांचे से बदलने का प्रयास कर रही है, जिससे गारंटीशुदा काम के प्रावधान कमजोर हो जाएंगे। सोनिया ने एमएनआरईजीए को एक क्रांतिकारी कदम बताया जिसने ग्रामीण परिवारों को रोजगार का कानूनी अधिकार प्रदान किया, संकटग्रस्त पलायन को कम किया और लाखों गरीब परिवारों को सहायता प्रदान करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। गांधी ने आरोप लगाया कि पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने गरीबों के हितों की अनदेखी की है और एमएनआरईजीए की भावना को कमजोर कर दिया है।

काले कानून के खिलाफ लड़ने के लिए हम प्रतिबद्ध

उन्होंने आगे कहा कि रोजगार आवंटन संबंधी निर्णय अब दिल्ली में लिए जाते हैं, जो जमीनी हकीकतों से बहुत दूर हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि एमएनआरईजीए को कमजोर करना भूमिहीन किसानों, ग्रामीण श्रमिकों और वंचितों पर हमला है, और इस बात पर जोर दिया कि यह कानून कभी भी पार्टी का मुद्दा नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि बीस साल पहले, मैंने अपने गरीब भाई-बहनों के रोजगार के अधिकार के लिए लड़ाई लड़ी थी। आज, मैं इस काले कानून के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

मोदी तमिल लोगों की आवाज को दबाने में कभी सफल नहीं होंगे : राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने फिल्म की रिलीज़ का समर्थन किया, जबकि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा फिल्म के प्रमाणन को रोके जाने के बाद केंद्र सरकार पर हमला करते हुए इसे तमिल संस्कृति पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी तमिल लोगों की आवाज़ को दबाने में सफल नहीं होंगे। कांग्रेस नेता ने पर लिखा, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जना नायकन को रोकने का प्रयास तमिल संस्कृति पर हमला है। मोदी, आप तमिल लोगों की आवाज को दबाने में कभी सफल नहीं होंगे।

गठबंधन पर अंतिम निर्णय पार्टी प्रमुख विजय लेंगे : निर्मल कुमार

» तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए टीवीके की तैयारी

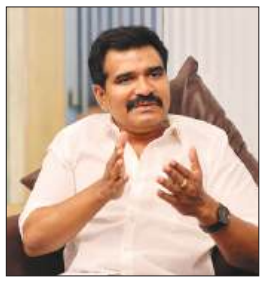

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। सीबीआई द्वारा पूछताछ के बाद टीवीके प्रमुख विजय के चेन्नई लौटने का इंतजार करते हुए, पार्टी के महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार ने कहा कि पार्टी अपने वैचारिक रुख को लेकर बिल्कुल स्पष्ट है और आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए गठबंधन की स्थिति में नेता निर्णय लेंगे। दिल्ली से विजय के लौटने का इंतजार करते हुए चेन्नई में पत्रकारों से बात करते हुए टीवीके सचिव ने कहा कि हम क्या करने जा रहे हैं और हमारा गठबंधन कैसा होगा, इस बारे में हम बिल्कुल स्पष्ट हैं।

हमने अपना वैचारिक रुख पहले ही स्पष्ट कर दिया है। अगर गठबंधन की बात होती है, तो हम आपको सूचित करेंगे। कुमार ने आगे कहा कि गठबंधन की स्थिति में हमारे नेता निर्णय लेंगे। विजय की आखिरी फिल्म जना नायकन के बारे में बात करते हुए, जिसकी रिलीज़ प्रमाणन में देरी के कारण स्थगित हो गई थी, पार्टी नेता ने कहा कि वे चाहते हैं कि फिल्म शांतिपूर्ण ढंग से रिलीज़ हो और रिलीज़ होने के बाद वे स्थिति को स्वीकार कर लेंगे। उन्होंने कहा, हम उन सभी लोगों और नेताओं का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने फिल्म की रिलीज़ का समर्थन किया। यह हमारे नेता की आखिरी फिल्म है। भावनात्मक रूप से, हमारे सभी पार्टी कार्यकर्ता, पूरा तमिलनाडु और सभी प्रशंसक चाहते थे कि यह फिल्म शांतिपूर्वक रिलीज़ हो, लेकिन यह मामला अदालत में लंबित है। फिल्म रिलीज़ होने के बाद हम स्थिति को स्वीकार कर लेंगे।

अतिक्रमण और जाम से त्राहिमाम-त्राहिमाम

» पुलिस-नगर निगम की दोहरी मार

» अभियान के दौरान बुजुर्ग को मिला इंसाफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहर में लगातार बढ़ रही जाम की समस्या से जनता को राहत दिलाने के उद्देश्य से नगर निगम और पुलिस ने संयुक्त रूप से अवैध अतिक्र मण के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। जोन-1 के अंतर्गत भाजपा कार्यालय से लेकर दारुल शफा गेट और लालबाग नावेल्टी चौराहे तक फुटपाथ और सड़क पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया। अधिकारियों के अनुसार सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण के कारण इस पूरे इलाके में रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती थी, जिससे आम लोगों के साथ-साथ एम्बुलेंस और स्कूल वाहनों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

अभियान के दौरान एक भावुक कर देने वाला दृश्य उस समय सामने आया जब पुलिस की कार्रवाई देख एक बुजुर्ग इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह के पास पहुंचे और अपना दर्द बयां किया। बुजुर्ग ने बताया कि वह कपड़ों पर प्रेस करने का काम करता है, लेकिन पास के एक दुकानदार ने उसकी जगह पर कब्ज़ा कर लिया है, जिससे उसका रोज़गार प्रभावित हो रहा है। इंस्पेक्टर ने तत्काल संबंधित दुकानदार से बात कर चौकी इंचार्ज को मौके पर जांच कर अवैध कब्ज़ा खाली कराने के निर्देश दिए। इंसाफ की बात सुनते ही बुजुर्ग की आंखें नम हो गईं और उसने इंस्पेक्टर का धन्यवाद किया। इसके बाद अभियान को और तेज़ करते हुए लालबाग नावेल्टी चौराहे तक सड़क किनारे और बीच सड़क पर अवैध रूप से खड़ी गाड़ियों को क्रेन की मदद से हटवाया गया।

श्रीमद् भागवत कथा का समापन

» कथा के समापन पर हवन यज्ञ और भंडारे का भी किया गया आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुलतानपुर। जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र के सेमरी कस्बे में स्थित प्राचीन मनकामेश्वर शिव मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का विश्व शांति एवं सर्वकल्याण की कामना से समापन हुआ। कथा के समापन पर हवन यज्ञ और भंडारे का भी आयोजन किया गया।

इस दौरान कथावाचक राजेश्वर महाराज ने कहा कि आत्मा को जन्म व मृत्यु के बंधन से मुक्त कराने के लिए भक्ति मार्ग से जुड़ कर सत्कर्म करना होगा। हवन-यज्ञ से वातावरण एवं वायुमंडल शुद्ध होने के साथ-साथ व्यक्ति को आत्मिक बल मिलता है।

कथा के समापन पर यजमान समाजवादी छात्रसभा के विजय यादव, गुन्नू तिवारी, विनय सोनी, जोखू सेठ, राम जी सेठ, विजय दत्त तिवारी, तेज बहादुर यादव, अप्पू सेठ, हरी राम गुप्ता पिंटू जायसवाल, आर. के. भाई दिलीप सोनी और सभी सम्मानित क्षेत्र वासी मौजूद रहे।

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंगमो की ओर से दायर उस याचिका पर सुनवाई 29 जनवरी तक टाल दी, जिसमें उन्होंने एनएसए के तहत अपने पति की हिरासत को चुनौती दी है।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने कहा,याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 29 जनवरी की तारीख तय की जाए। गीतांजलि ने सोमवार को शीर्ष अदालत से कहा था कि उनके पति को हिरासत में लेने वाले अधिकारियों ने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया और अप्रासंगिक सामग्री पर भरोसा जताया।

मुंबई ने गुजरात पर दर्ज की 7 विकेट से जीत

» हरमनप्रीत डब्ल्यूपीएल में 1000 रन बनाने वाली बनीं इकलौती भारतीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नवी मुंबई। मुंबई ने गुजरात को सात विकेट से हरा दिया। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में गुजरात जाएंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में मुंबई इंडियंस ने 19.2 ओवर में तीन विकेट पर 193 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। डब्ल्यूपीएल में यह मुंबई द्वारा चेज किया दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य है। इससे पहले मुंबई ने दिल्ली में गुजरात के ही खिलाफ 191 रन बनाए थे।

192 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत खराब रही और पावरप्ले में दोनों सलामी बल्लेबाज आउट हो गए। इसके बाद अमनजोत कौर के साथ मिलकर हरमनप्रीत ने सिर्फ 33 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो डब्ल्यूपीएल में उनका 10वां अर्धशतक था। इसी दौरान उन्होंने टूर्नामेंट में 1000 रन पूरे कर डब्ल्यूपीएल इतिहास में यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय बल्लेबाज बनने का रिकॉर्ड भी बनाया। अमनजोत ने 26 गेंदों में 40 रन की तेज पारी खेली। हरमनप्रीत ने 43 गेंदों में नाबाद 71 रन की मैच जिताऊ पारी खेली और कैरी के साथ 84 रन की अटूट साझेदारी कर मुंबई को चार गेंद शेष रहते सात विकेट से जीत दिलाई। मध्य ओवरों में मुंबई की गेंदबाजी के सामने गुजरात की रफ्तार थोड़ी थमी और आयुषी सोनी की 14 गेंदों में 11 रन की पारी ने दबाव बढ़ाया। हालांकि, अंत में जॉर्जिया वेयरहम (नाबाद 43) और भारती फुलमाली (नाबाद 36) ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

डब्ल्यूपीएल में रिटायर्ड आउट होने वाली पहली खिलाड़ी बनीं आयुषी

नवी मुंबई। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के इतिहास में मंगलवार को एक नया रिकॉर्ड दर्ज हो गया। गुजरात जाएंट्स की बल्लेबाज आयुषी सोनी रिटायर्ड आउट होने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। यह घटना मुंबई इंडियंस के खिलाफ डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान हुई। छठे स्थान पर बल्लेबाजी करने उतरीं आयुषी लय हासिल नहीं कर सकीं। उन्होंने 14 गेंदों में 11 रन बनाए और एक भी बाउंड्री नहीं लगा सकीं। 16 ओवर की समाप्ति पर, जब टीम का स्कोर 135 रन था, तब गुजरात जाएंट्स ने उन्हें रिटायर्ड आउट करने का फैसला किया। महिला फ्रेंचाइजी टी20 क्रिकेट में यह केवल दूसरा मौका था जब किसी खिलाड़ी को रिटायर्ड आउट किया गया। इससे पहले 2024 में द हंड्रेड टूर्नामेंट के दौरान मैनचेस्टर ओरिजिनल्स की कैथरीन ब्राइस को नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के खिलाफ रिटायर्ड आउट किया गया था।

खुलेआम पैसे बांट रही सत्ता पार्टी : संजय राउत

» शिवसेना यूबीटी सांसद ने चुनाव आयोग पर किया प्रहार

» महाराष्ट्र में निकाय चुनाव का प्रचार खत्म, दोनों गठबंधनों में नोकझोंक जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव का प्रचार खत्म हो गया है। दोनों गठबंधनों एक दूसरे को कोसने का कोई भी मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने चुनाव आयोग पर महायुति दलों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रचार समाप्त होने के बाद घर-घर अभियान की अनुमति देना, पैसा बांटने की खुली छूट है।

राउत ने इस कदम को आदर्श आचार संहिता का सीधा उल्लंघन बताते हुए चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मुंबई में राउत ने दावा किया कि चुनाव आयोग ने मंगलवार को आदर्श आचार संहिता लागू होने और आधिकारिक तौर पर चुनाव प्रचार स्थगित होने के बावजूद घर-घर जाकर प्रचार करने की अनुमति दी।

राउत ने कहा कि कल चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। नियमों, कानूनों और आदर्श आचार संहिता के अनुसार, चुनाव प्रचार आधिकारिक तौर पर कल ही समाप्त हो गया था। लेकिन अचानक महाराष्ट्र चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद भी आप घर-घर जाकर प्रचार कर सकते हैं। यह किस तरह का नियम है? यह सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी, एकनाथ शिंदे और अजीत पवार को घर-घर जाकर प्रचार करने के दौरान खुलेआम चंदा बांटने की अनुमति और छूट देता है।

बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए गए

राउत ने आगे आरोप लगाया कि बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार में लगभग 60 लाख, उत्तर प्रदेश में लगभग 12.5 करोड़ और पश्चिम बंगाल में लगभग 54 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के नाम हटाने से चुनाव परिणामों पर असर पड़ सकता है। राउत ने कहा कि देखिए, बिहार में लगभग 60 लाख नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। महाराष्ट्र में भी ऐसा ही हुआ है। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से लगभग सवा करोड़ नाम हटाने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। और आपने पश्चिम बंगाल के लिए क्या आंकड़ा दिया है—54 लाख एक ही राज्य में 54 लाख मतदाताओं के नाम हटाने से चुनाव परिणाम बदल सकते हैं।

भाजपा निष्पक्ष रूप से चुनाव नहीं लड़ रही

भाजपा पर निष्पक्ष रूप से चुनाव न लड़ने का आरोप लगाते हुए राउत ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदू-मुस्लिम नारा विफल हो गया है और अब उसकी जगह प्रवर्तन निदेशालय बनाम तृणमूल कांग्रेस का नारा ले चुका है। महाराष्ट्रमें बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी), पुणे नगर निगम (पीएमसी) और पिंपरी-चिंचवड नगर निगम (पीसीएमसी) सहित 29 नगर निगमों के चुनाव होने जा रहे हैं। मतदान 15 जनवरी को होगा और मतगणना 16 जनवरी को होगी।

गृहकर भुगतान में अब भी खत्म नहीं हुई मनमानी

लखनऊ नगर निगम में चेक पेमेंट पर आदेश बेअसर, करोड़ों के नुकसान की आशंका फिर गहराई

» पूर्व नगर आयुक्त का सख्त आदेश फाइलों में दबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । नगर निगम में गृहकर भुगतान को लेकर पूर्व नगर आयुक्त द्वारा जारी सख्त आदेश अब पूरी तरह बेअसर नजर आ रहा है। 3 अक्टूबर 2024 को जारी आदेश में स्पष्ट किया गया था कि भविष्य में गृहकर का भुगतान चेक के माध्यम से स्वीकार नहीं किया जाएगा, ताकि चेक बाउंस की स्थिति से बचा जा सके और लेखा-जोखा व रिकन्सीलिएशन में आ रही गंभीर दिक्कतों को दूर किया जा सके।

आदेश जारी करने की अहम वजह भी गंभीर थी(नगर निगम को करोड़ों रुपये का नुकसान। जांच में सामने आया था कि बड़ी संख्या में लगाए गए चेक या तो निगम के खातों में क्लियर नहीं हुए या फिर बाउंस हो गए, जिससे लेखा विवरण तैयार करने में भारी अव्यवस्था पैदा हुई। लेखा और डेटाबेस के आंकड़ों में भारी अंतर सामने आया था।

पूर्व नगर आयुक्त ने अपने आदेश में साफ निर्देश दिए थे कि बाउंस या लंबित चेकों के मामलों में अतिशीघ्र कार्यवाही करते हुए 100 प्रतिशत धनराशि को अन्य डिजिटल माध्यमों—जैसे भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस), यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग अथवा नकद—के जरिए जमा कराया जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया था कि चेक भुगतान में संसाधन और समय की बर्बादी को देखते हुए आगे से चेक स्वीकार न किए जाएं।

हकीकत इससे ठीक उलट

जमीनी हकीकत इससे ठीक उलट नजर आ रही है। नगर निगम के लगभग सभी जोनों में धड़ल्ले से चेक स्वीकार किए जा रहे हैं। आरोप है कि कुछ जोन अपनी वसूली को कागजों पर बेहतर दिखाने के लिए चेक के जरिए भुगतान दर्ज कर रहे हैं, ताकि नगर आयुक्त की नजरों में वसूली का आंकड़ा चमकदार दिखाई दे—भले ही वह राशि वास्तव में निगम के खाते में आई हो या नहीं। क्या पूर्व नगर आयुक्त के आदेश को वर्तमान नगर आयुक्त भूल चुके हैंया फिर सभी जोनों को चेक स्वीकार करने की कोई नई मौखिक/लिखित अनुमति दी गई है।

नियमों की खुली अवहेलना नहीं

नगर निगम की पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन पर यह मामला सीधे सवाल खड़े करता है। अगर समय रहते इस पर सख्ती नहीं की गई, तो चेक बाउंस का वही पुराना खेल दोबारा दोहराया जा सकता है-और इसका खामियाजा एक बार फिर नगर निगम को भुगतना पड़ सकता है।

आसनसोल में अवैध खनन के दौरान कोयला खदान धंसी

» तीन लोगों की मौत, दो लोगों को बचाया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। सुबह आसनसोल के पास एक ओपन-कास्ट कोयला खदान के धंसने से एक बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में तीन लोगों की जान चली गई है, जबकि दो अन्य को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

यह घटना कुल्टी थाना क्षेत्र के बरिरा इलाके में हुई। यह खदान सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड द्वारा संचालित की जा रही है। मजदूर आर्थिक मजबूरी के कारण कोयला निकालने के लिए अवैध रूप से खदान में घुसे थे, जो इस क्षेत्र में एक आम लेकिन खतरनाक प्रथा है। अचानक हुए भूस्खलन से वे मलबे के नीचे दब गए, जिससे तुरंत अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे ।बचाव अभियान तेजी से शुरू किया गया, जिसमें बीसीसीएल के अधिकारी, पुलिस टीमें औरजेसीबी जैसे भारी मशीनरी शामिल थे। घटनास्थल पर मौजूद पोद्दार ने पहले शव के बरामद होने के बाद दो और शवों को बरामद होते देखा। दो जीवित बचे लोगों को गंभीर हालत में अस्पतालों में भर्ती कराया गया, हालांकि उनकी स्थिति के बारे में सटीक जानकारी अभी भी लंबित है।

थाईलैंड में बड़ा ट्रेन हादसा, 22 यात्रियों की मौत

» चलती ट्रेन पर गिरी भारी-भरकम क्रेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बैंकॉक । थाईलैंड में एक बड़ा हादसा हो गया है। राजधानी बैंकॉक से थाईलैंड के पूर्वोत्तर प्रांत जा रही एक ट्रेन उस समय पटरी से उतर गई जब एक क्रेन उसके ऊपर गिर गई। पुलिस ने कहा कि इस बड़े हादसे में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 30 घायल हो गए, यह दुर्घटना बुधवार, 14 जनवरी की सुबह बैंकॉक से 230 किमी दूर नाखोन रत्चासिमा प्रांत के सिखियो जिले में हुई।

एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने न्यूज एजेंसी एएफपी से इस बात की पुष्टि की है कि हादसे में 22 लोग मारे गए और 30 से अधिक घायल हो गए। ट्रेन थाईलैंड के उबोन रतचथानी प्रांत के लिए जा रही थी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक क्रेन हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट पर काम कर रही थी, तभी वह ढह गई और गुजरती ट्रेन के ठीक उपर गिर गई। इससे ट्रेन पटरी से उतर गई और कुछ देर के लिए उसमें आग लग गई। बचाव कार्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें वहां पहुंचे बचावकर्मी घायल लोगों को बचाने के लिए ट्रेन के मलबे को काटते हुए दिख रहे हैं।

प्रयागराज में तालाब में डूबने से एक युवक समेत चार बच्चों की मौत, मचा कोहराम

» 10 से 11 वर्ष बताई जा रही है बच्चों की उम्र

4पीएम न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। पुरामुफ्ती थाना इलाके के केशवपुर कुसुआ गांव में एक तालाब में डूबने से चार बच्चों की मौत हो गई। घटना बुधवार को हुई, जब गांव के ही रहने वाले एक युवक के साथ तीन बच्चे तालाब के पास खेल रहे थे। बच्चों की उम्र 10 से 11 वर्ष बताई जा रही है।

बुधवार को प्रयागराज के पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र के सल्लाहपुर इलाके के कुसुआ गांव में एक दुखद घटना सामने आई। एक तालाब में डूबने से एक युवक समेत चार बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक युवक गांव का ही निवासी था, और उसके साथ तीन अन्य बच्चे भी थे। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, बच्चे तालाब के किनारे खेल रहे थे। बच्चों के कपड़े और चप्पल तालाब के पास ही पड़े मिले, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वे खेलते-खेलते अचानक तालाब में चले गए और किसी को कुछ पता नहीं चला। यह घटना घटित हुई। तालाब में चार बच्चों की डूबने से मौत के बाद कोहराम मचा हुआ है। पुलिस चौकी सल्लाहपुर पर भारी भीड़ जमा हो गई है। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे हैं। परिजन बच्चों की हत्या का आरोप लगा रहे हैं। जिन बच्चों डूबने से मौत हुई है उनमें प्रतीक सोनकर (12) पुत्र प्रदीप सोनकर, प्रिंस सोनकर (10) पुत्र प्रदीप सोनकर, करण सोनकर (19) पुत्र राजेश सोनकर और प्रियांशु सोनकर (11) पुत्र स्व. संदीप सोनकर हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |**website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**